SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

डॉ विद्या बिंदु सिंह के कथा साहित्य में भावात्मक बुद्धि व स्व–जागरूकता द्वारा लोक संस्कृति व लोकचेतना की भावना

डॉ. स्वर्णा, निर्देषिका, वनस्थली विधापीठ
सरिता पारिक, शोधार्थी, वनस्थली विद्यापीठ निवाई

सराष

"विद्या बिंदु सिंह लोक संस्कृति के अदिति प्रवक्ता है'' इस वाक्य का अर्थ है कि वह अपनी कहानियों के माध्यम से लोक संस्कृति के अद्वितीयता को उजागर करते हैं। उनकी कहानियों में लोक संस्कृति का प्रतिबिंब बहुत सुंदर रूप से प्रकट होता है। उनकी कहानियाँ गाँव की जीवनशैली, लोक कथाएँ, परंपराएँ, और संस्कृति को महसूस करने और समझने के लिए यथार्थवादी और अपनी विलक्षणता के साथ जानी जाती हैं। उनके किस्से अक्सर गाँव के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी, उनके विचार, उनके संघर्षों, और उनकी सामाजिक संगठन में उत्तेजित होते हैं। वे अपनी कहानियों के माध्यम से लोक संस्कृति की अनेक पहलुओं को प्रस्तुत करते हैं, जैसे कि लोक कथाएँ, विरासत, परंपराएँ, धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव, और ग्रामीण समाज के मूल्य। इस तरह, उनके किस्से एक सामूहिक अनुभव के रूप में लोक संस्कृति को दर्शाते हैं और पाठकों को उसकी महत्वपूर्णता का अहसास कराते हैं। वे लोक कथाओं के माध्यम से लोक संस्कृति व लोकचेतना में गहरी संवेदनशीलता और जनसाहित्य का संदेश मिलता हैं। अतःउन्होंने अपनी कहानियों में बच्चों से लेकर वयस्कों तक लोक संस्कृति के महत्व को पहुंचाने का प्रयास किया है। निष्कर्ष में डॉ. विद्या विंदु सिंह के कथा साहित्य में लोक संस्कृति और लोक चेतना के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने के लिए, हमें उनकी रचनाओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन करना चाहिए। उनकी कहानियाँ गाँव के जीवन, लोक कथाएँ, परंपराएँ, और संस्कृति को महसूस करने और समझने के लिए प्रेरित करती हैं। वे अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उनके लेखन में लोक संस्कृति के अनेक पहलुओं को प्रस्तुत करते हैं। उनकी कहानियों के माध्यम से, वे लोगों को अपनी संस्कृति, परंपराओं, और लोकतांत्रिक मूल्यों का महत्व बताते हैं और उन्हें उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस प्रकार, डॉ. विद्या विंदु सिंह के की रचनाएँ लोक संस्कृति और लोक चेतना को बढ़ावा देती हैं और रचनाओं के माध्यम से भावात्मक बुद्धि एवं स्व–जागरूकता को संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करती हैं।

मुख्य षब्दावली– भावात्मक बुद्धि, स्व–जागरूकता, लोक संस्कृति, लोकचेतना,